

मुंबई संंध्या

मुंबई, मंगलवार, १९ अक्टूबर २०१०

वसंत गुरुजी को राष्ट्रसंत की उपाधि

मुंबई, १९ अक्टूबर : भारत जैन महामंडल के अध्यक्ष, ऑल इंडिया स्वेतांबर जैन कॉन्फ्रेंस और मुंबई जैन पत्रकार संघ ने आज कृष्णागिरि तीर्थ के पीठाधिपति डॉ. श्री वसंत विजय महाराज को राष्ट्रसंत की उपाधी दी गई। गोरगांव स्थित एनएसई कॉम्प्लेक्स में आयोजित विश्व शांति महोत्सव में श्रीश्री वसंत गुरुजी को चंपालाल जैन, दीपबंद गार्डी के बेटे सुबोध गार्डी और प्रशांत जवेरी ने यह उपाधि प्रदान की।

पिछले पांच दिनों से मुंबई में वसंत गुरुजी के सात्रिय में चल रहे विश्व शांति महोत्सव में आज जब वर्धन, गार्डी और जवेरी ने



उनको राष्ट्र संत की उपाधि दी, तो पूरा हॉल वसंत गुरुजी के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर रसिकलाल धारीवाल, किरण मेहता, सुभाष रूणवाल, इंदरभाई राणाबत, साकलचंद संचवी, सूफी संत अरविंद गुरुजी, योगेश लाखानी, कमल एसी आदि सहित कई प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति उपस्थित थे।

आज विश्व शांति महोत्सव में पार्व पञ्चावती महापूजन में एक हजार अठ जोड़ों ने भाग लिया और हजारों लोगों ने गुरुजी को राष्ट्र संत की उपाधि दिए जाने का अनुमोदना किया।

नवभारत

मुंबई, मंगलवार 19 अक्टूबर, 2010

विश्व शांति महोत्सव का समापन

लाखों लोगों ने लिया हिस्सा

की गई समृद्धि और
विकास की कामना

संवाददाता द्वारा
मुंबई. सामाजिक सदभाव और परस्पर सहयोग में विकास, हर वर्ग की अधिक समृद्धि और सांस्कृतिक विकास के साथ हर मन की शांति की कामना के साथ विश्व शांति महोत्सव संपन्न हो गया।

कृष्णगिरि तीर्थ के पीठाधिपति डॉ. श्री श्री वसंत विजय महाराज के सन्निध्य में सभी धर्मों और समुदायों के लिए गौराव स्थित एनएसई ग्राउंड में छह दिन तक चले विश्व शांति महोत्सव में करीब एक लाख से भी

ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और विश्व शांति की कामना की. विश्व शांति महोत्सव में विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण तोण्डिया, सांसद संजय निरुपम, फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय, सांसद लालूभाई पटेल, विधायक मंगल प्रभात लोढा, मुंबई काँग्रेस अध्यक्ष कुपारशकर सिंह, मुंबई भाजपा के अध्यक्ष राज के. पुरोहित, रक्षा नेता नरेंद्र वर्मा, विनोद घोसालकर, योगेश सागर, राजस्थान विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष ताव भंडारी आदि ने महोत्सव में श्री श्री वसंत गुरुजी के सान्निध्य में शांति का संदेश फैलाने में सहयोग की हामी भरी.

राष्ट्रसंत की उपाधि

यूनैओ के वर्ल्ड पीस फेडरेशन की ओर से भारत में एक्वेसडर ऑफ पीस के रूप में काम कर रहे श्री श्री वसंत गुरुजी ने विभिन्न देशों से आए बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में सर्व मंगल की प्रार्थना करते हुए सभी से विश्व शांति के लिए काम करने की अपील की. महोत्सव के समापन अवसर पर चंपालाल वर्धन, सुशोध गाड़ी और प्रशान्त जवैरी ने श्री श्री वसंत गुरुजी को राष्ट्र संत की उपाधि प्रदान की.

છે : ડૉ. શ્રી વસંતવિજયજી

ગોરેગામના એન.એસ.ઈ. સંકુલમાં છેલ્લા પાંચ દિવસથી 'વિશ્વશાંતિ મહોત્સવ'રૂપે એક આયોજન થઈ રહ્યું છે. વિશ્વમાં

નીતનવાં પૂજનો ભણાવાય છે. નવરાત્રિના શક્તિની આરાધનાના દિવસોમાં પધાવતી, સરસ્વતી અને લક્ષ્મી માતાને વિશ્વશ્રીત માટે વિનંતિ કરાય છે, સામૂહિક પ્રાર્થનાઓ થાય છે, પરંતુ તમને ખબર છે આ સમસ્ત આયોજનની પરિકલ્પના એક જ વ્યક્તિએ કરી છે, તેમનું નામ છે પતિવર્ય ડૉ. શ્રી વસંતવિજયજી. કહેવાય છે કે તામિલનાડુમાં વસતા તદ્દન સાધારણ પરિવારમાં જન્મેલા આ સંત પર પાર્શ્વનાથ અધિક્ષાધિકાર



શ્રીપદપાવતી માતાની અસીમ કૃપા છે. તીવ્ર સાધના-મંત્ર-જાપ અને તપશ્ચર્યા વડે પધાવતી માતા સંહિત અનેક દેવ-દેવીઓની કૃપા તેમણે હાંસલ કરી છે અને આ સંત એકલવીર સ્તિપાત્રીની મોકક વર્ષોથી વિશ્વ અને સમાજહિત

રુચિતા પ્રવીણ શાહ

માટે આધ્યાત્મિક ડગર પર કદમ મિલાવી રહ્યા છે.

૧૦ ભાષાઓના શ્વાકાર શ્રી વસંત ગુરુજીને આંતરરાષ્ટ્રીય સંગઠે ભારતના 'શાંતિદૂત' તરીકે ચોષિત કર્યા છે. દેશભક્તિ, સમાજસેવા, પારદર્શી વિચારોથી પ્રભાવિત થઈને વિશ્વની અંધારી સંસ્થા આંતરરાષ્ટ્રીય સંસદ સુપ્રીમ કાઉન્સિલ ઓફ સ્ટેટસે તેમને 'ક્રિક્રેટર' પદવીથી અલંકૃત કર્યા છે. ૮૦,૦૦૦થી વધુ માસાહારી અજેનોને તેમણે શાકાહાર તરફ વાળ્યા છે. ૭૦ જેટલી ઇન્ટરનેશનલ સ્તરની યુનિવર્સિટીમાં 'અહિંસા અને શાંતિ' વિષય પર તેમણે પ્રવચનો આપ્યા છે. તામિલનાડુની સરકારી શાળાઓમાં ભણતા વિદ્યાર્થીઓનો ૩૦ કરોડ રૂપિયાનો વીમો



विश्व शांति महोत्सव में उमड़ी भीड़ से आयोजकों के चेहरे खिले

मुंबई। वर्ल्ड पीस फेडरेशन की ओर से भारत में 'एम्बेसडर ऑफ पीस' के रूप में काम कर रहे डॉ. वसंत गुरुजी के सान्निध्य में गैरगोष्ठ्य स्थित एनएसई कॉम्प्लेक्स में चल रहे विश्व शांति महोत्सव में रविवार को 10 हजार से ज्यादा साधकों की उपस्थिति देख आयोजकों के चेहरे खिल उठे।

इस कार्यक्रम में भाग लेने आए विभिन्न देशों के लोगों के सामने विवेक ओबराय, अनुराधा पौडवाल, सुखविंदर और शिवमणि द्वारा कहा गया कि ये संगीत और कला के माध्यम से दुनिया भर में शांति का संदेश फैलाएंगे। इस अवसर पर उनकी इस घोषणा को खूब सराहा गया। विश्व शांति महोत्सव में पांचवें दिन गायिका अनुराधा पौडवाल, फिल्म अभिनेता विवेक ओबराय, गायक सुखविंदर और संगीतकार शिवमणि सहित अभिनेत्री सुजाता मेहता और विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण तोगड़िया के अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस

के मुंबई अध्यक्ष चॉट वार्मा और कांग्रेस के कुपशंकर सिंह ने वसंत गुरुजी के शांति प्रयासों से सीख लेते हुए विश्व शांति महोत्सव में घोषणा की कि वे गुरुजी के संदेश को आगे बढ़ाने की हर कोशिश करेंगे। महोत्सव में विवेक ने गुरुजी से आशीर्वाद लिया और विश्व शांति की

वसंत गुरु

को राष्ट्रसंत की उपाधि

मुंबई। भारत जैन महामंडल के अध्यक्ष और ऑल इंडिया धेतांबर जैन कॉन्फ्रेंस ने आज डॉ. श्री वसंत विजय महाराज को चंपालाल जैन, सुबोध दीपचंद गाडौं और प्रशांत जवरी ने राष्ट्रसंत की उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर रसिकलाल धारीवाल, किरण मेहता, सुभाष लणवाल, इंद्रभाई राणावत, सांकलचंद संश्वी, सुनील संत अरविंद गुरुजी, योगेश लाखानी, कमल एसी आदि सहित कई प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति उपस्थित थे।

कामना की। तो, पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल और जाने माने संगीतकार शिवमणि ने संगीत की स्वर लहरियों से बाल उपस्थित हजारों लोगों के जरिये दुनिया को शांति का संदेश दिया। जीवन में शांति के लिए चल रहे विश्व शांति महोत्सव की आयोजन समिति के अध्यक्ष देवीचंद सालेचा सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि कुण्णिगिर तीर्थ के पीठधिपति डॉ. श्रीश्री वसंत गुरुजी जैसे संतों के शांति प्रयासों में राजनेताओं का ईमानदार सहयोग विश्व शांति को कोशिशों को और मजबूती देगा। दुनिया भर से आए शांति प्रेमियों को भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा की व्याख्या करते हुए वसंत गुरुजी ने कहा कि यह सुखद स्थिति है कि दुनिया भर में शांति स्थापना की कोशिश में भारत की पहल को अब स्वीकार जाने लगा है। यह जानकारी रजुभाई लोढा ने दी।

विश्व शांति महोत्सव-2010



महोत्सव कार्यक्रम

दि.12.10.2010 मंगलवार दोपहर 12.30 बजे

श्री मणिभद्र महापूजन, 108 जोड़े

दि.13.10.2010 बुधवार दोपहर 12.30 बजे

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ महापूजन, 108 जोड़े

दि.14.10.2010 गुरुवार दोपहर 12.30 बजे

श्री सरस्वती महापूजन, 108 जोड़े

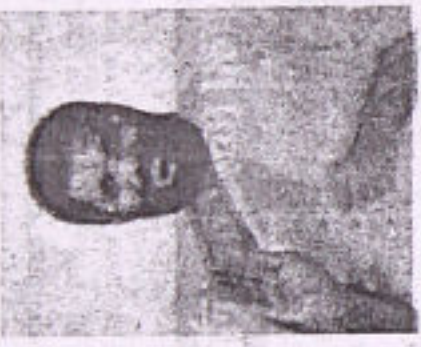
दि.15.10.2010 शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे

श्री महालक्ष्मी महापूजन, 108 जोड़े

दि.16.10.2010 शनिवार दोपहर 12.30 बजे

सहस्र नाम युक्त श्री पद्मावती महापूजन, 108 जोड़े

श्रीमद्विजय
प्रेमसूरीश्वरजी म.सा.



डॉ. वसंतविजयजी
महाराज

दि.17.10.2010 रविवार दोपहर 12.30 बजे
श्री पार्श्वपद्मावती महापूजन, 1008 जोड़े

महोत्सव के आकर्षण

विशाल 15 फुट की नयरम्य पद्मावती माता की प्रतिमा

13 फुट की महालक्ष्मी देवी की दिव्य प्रतिमा

13 फुट की सरस्वती माता की अद्भुत प्रतिमा

विशाल वन में कमल सरोवर की रचना

अति आकर्षक सजी हुई पार्श्व पद्मावती नगरी का दर्शन

नित्य नये संगीतकारों के विविध संगीत संध्या

दोपहर एवं संध्या में विविध स्वादिष्ट भोजन पदार्थों की धरमार

पूर्ण वातानुकूलित मंडप

महोत्सव निमित्त अद्भुत आमंत्रण पत्रिका

आस्था चैनल के प्रसिद्ध प्रवचनकार डा. वसंतबिहारीजी महाराज

के स्वमुख से नित्य निःशुल्क पूजा श्रवण का दुर्लभ लाभ

हर दिन संध्या भक्ति में लक्की झा द्वारा 1.5 किलो चांदी का

वितरण किया जायेगा।

महोत्सव में भाग लेने अनेक देशों से भक्तों का आगमन

ओली के आराधकों के लिये विशेष आर्यबिल की व्यवस्था

आस्था एवं अरिहंत चैनलों पर प्रसारण

महापूजन में बैठने के लिए संपर्क करें...

मो.न.09699048417/09867344106

09426801369/09022049887

महोत्सव के मुख्य अतिथि

माननीय श्री अशोकरावजी चव्हाण-मुख्य मंत्री, महाराष्ट्र सरकार

माननीय श्री छगन भुजबल-उप मुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार

माननीय श्री आर आर पाटिलजी-गृहमंत्री, महाराष्ट्र सरकार

माननीय श्री उद्धव जी ठाकरे-कार्यकारी अध्यक्ष शिवसेना

माननीय श्री कृपाशंकर सिंह जी-विधायक, अध्यक्ष मुंबई कांग्रेस

माननीय श्री राज के. पुरोहित जी-विधायक, अध्यक्ष मुंबई भाजपा

माननीय श्री मंगलप्रभात जी लोढा-विधायक उपाध्यक्ष महाराष्ट्र भाजपा

माननीय श्री श्रद्धा जाधव-महापौर, मुंबई महानगर पालिका

विभिन्न कलाकारों द्वारा संध्या भक्ति

संगीत सम्राट श्री रविन्द्र जैन

सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल तथा साधना सरगम

विश्व विख्यात चेन्नई सुपर किंग्स फेम श्री शिवमणी

विख्यात गायक श्री शंकर महादेवन

महोत्सव स्थल

हाल नं.4 एन.एस.ई. कॉम्प्लेक्स

बोम्बे एक्जीबिशन सेन्टर, गोरेगांव-(पूर्व), मुंबई -43

नवभारत

मुंबई प्रसार

अश्विन - शुक्ल पक्ष - एकादशी

मुंबई, सोमवार 18 अक्टूबर, 2010

website : www.navabh.

अहिंसा संदेश जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य

संस्था : श्रीकृष्णगिरी पार्श्व
पद्मावती सेवा ट्रस्ट



संवाददाता द्वारा

मुंबई. मानव सेवा एवं जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाना ही डॉ. वसंत विजय म.सा. (यतिवर्य) का मुख्य उद्देश्य है. मुख्य आचार्य विजय प्रेम सुरेश्वर म.सा. द्वारा दीक्षित श्रीकृष्णगिरी तीर्थ पीठाधिपति एवं मां पद्मावती के उपासक डॉ. वसंत द्वारा स्थापित संस्था श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न आध्यात्मिक, धार्मिक और सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं.

डॉ. वसंत के मुताबिक संस्था का मुख्य उद्देश्य जैन धर्म का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में करना है. ट्रस्ट के माध्यम से ही श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ कृष्णगिरी तीर्थ धाम का संचालन हो रहा है. इस संस्था के जरिए गरीबों की सेवा, उनको आर्थिक मदद एवं शिक्षा में सहयोग दिया जाता है. प्राणी मात्र में दया एवं करुणा का भाव उत्पन्न हो, ऐसे कार्य करने की प्रेरणा देने का कार्य श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा मंडल ट्रस्ट कर रहा है.

दुनिया में शांति का प्रयास

डॉ. वसंत विजय म.सा. श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा मंडल ट्रस्ट के अलावा शांति ट्रस्ट के माध्यम से पूरी दुनिया में शांति स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं. विश्व के अनेक देशों में चलाए जा रहे शांति प्रयास से प्रभावित होकर डॉ. वसंत विजय म.सा. को कई संस्थाओं द्वारा शांतिदूत एवं एम्बेसडर फॉर पीस की उपाधि दी गयी है. डॉ. वसंत विजय म.सा. ने कहा कि आत्मशांति, संतुष्टि, आत्म पहचान और आत्मसत्य तभी हम पाएंगे, जब हम किसी सही मार्गदर्शन में पुरुषार्थ करते हुए आगे बढ़ेंगे. उक्त दोनों संस्थाओं के माध्यम से डॉ. वसंत विजय म.सा. मानव मात्र में व्याप्त गरीबी और भुखमरी को मिटाने एवं गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं.

दुनिया भर से आए लोगों ने माना, शिक्षा के बिना शांति संभव नहीं

मुंबई। चीन, कोरिया, ताइवान और जापान सहित भारत के धर्मगुरुओं राजनेताओं बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और चिंतकों ने स्वीकार किया है कि शिक्षा के बिना विश्व शांति की कल्पना नहीं की जा सकती, इसलिए भारत को सबसे पहले शैक्षणिक विकास पर ध्यान देना चाहिए। मुंबई में चल रहे विश्व शांति महोत्सव तीसरे दिन एशिया महाद्वीप से आए विभिन्न लोगों ने यतिवर्य डॉ. वसंत विजय महाराज की अगुआई में विश्व शांति के लिए प्रार्थना की और पूजन फॉर प्रोटेक्शन के सिद्धांत के तहत परंपरागत सरस्वती महापूजन में हिस्सा लिया। गोरेगांव स्थित एनएसई ग्राउंड में चल रहे विश्व शांति महोत्सव में दमणदीप के संसद लाटुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा से जागृति आती है और अगर लोग शिक्षित नहीं हैं तो शांति की बात सोचना बेमानी है। सूफी संत अरविंद गुलजी ने कहा कि भारतीय समाज के शैक्षणिक रूप से समृद्ध हुए बिना विश्व शांति की पहल सफल नहीं हो सकती। मुंबई भाजपा के अध्यक्ष राज के. पुरोहित

ने समाज के संपन्न वर्ग से शैक्षणिक विकास में योगदान को अपील की। चीन, कोरिया, जापान और ताइवान से आए बुद्धिजीवियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत के विश्व शांति प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संरक्षणी महापूजन जैसे धार्मिक प्रयासों के जरिए भी शांति की कोशिशें की जा रही हैं। यह अनुकरणीय है। इस अवसर पर भरतभाई राजकोटवाला और राजेश भाई मेहता ने स्कूल के लिए आर्थिक सहयोग की घोषणा की। सभी धर्म समुदायों और संगठनों के लोगों के लिए आयोजित इस विश्व शांति महोत्सव में आज 500 स्कूली छात्रों ने सरस्वती महापूजन के अवसर पर डॉ. वसंत गुलजी का आशीर्वाद लिया एवं विश्व शांति की कामना की। इससे पूर्व अपने प्रवचन में वसंत गुलजी ने कहा कि भारत का यह अपनी तरह का पहला विशेष आयोजन विश्व शांति में भारत के प्रयासों को महत्वपूर्ण मजबूती देगा। 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस विश्व शांति महोत्सव में शनिवार और रविवार को विशेष आयोजन होंगे।





विवेक ओबरोय, अनुराधा पौड़वाल, शिवमणि और सुखविंदर शांति का संदेश फैलाएंगे

मुंबई, 17 अक्टूबर। विख्यात पार्श्व गायिका अनुराधा पौड़वाल, फिल्म अभिनेता विवेक ओबरोय और जाने माने संगीतकार शिवमणि ने संगीत और कला के माध्यम से दुनिया भर में शांति का संदेश फैलाएंगे। वर्ल्ड पीस फेडरेशन की ओर से भारत में एम्बेस्सडर ऑफ पीस के रूप में काम कर रहे डॉ. श्रीश्री वसंत गुरुजी के सान्निध्य में गोरेगांव स्थित एनएसई कॉम्प्लेक्स में चल रहे विश्व शांति महोत्सव में भाग लेने आए विभिन्न देशों के लोगों के सामने विवेक ओबरोय, अनुराधा पौड़वाल, सुखविंदर और शिवमणि की इस घोषणा को खूब सराहा गया।

विश्व शांति महोत्सव में पांचवे

गायक सुखविंदर और संगीतकार शिवमणि सहित अभिनेत्री सुजाता मेहता और विश्व हिंदु परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण तोगड़िया के अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस के मुंबई अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा और कांग्रेस के कृपाशंकर सिंह ने वसंत गुरुजी के शांति प्रयासों से सीख लेते हुए विश्व शांति महोत्सव में घोषणा की कि वे गुरुजी के संदेश को आगे बढ़ाने की हर कोशिश करेंगे। महोत्सव में विवेक ने गुरुजी से आशीर्वाद लिया और विश्व शांति की कामना की। तो, पार्श्व गायिका अनुराधा पौड़वाल और जाने माने संगीतकार शिवमणि ने संगीत की स्वर लहरियों से वहां उपस्थित

शांति के लिए चल रहे विश्व शांति महोत्सव की आयोजन समिति के अध्यक्ष देवीचंद सालेचा और राजूभाई लोढा सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

विश्व हिंदु परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि कृष्णगिरि तीर्थ के पीठधिपति डॉ. श्रीश्री वसंत गुरुजी जैसे संतों के शांति प्रयासों में राजनेताओं का ईमानदार सहयोग विश्व शांति की कोशिशों को और मजबूत देगा। दुनिया भर से आए शांति प्रेमियों को भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा की व्याख्या करते हुए श्रीश्री वसंत गुरुजी ने कहा कि यह सुखद स्थिति है कि दुनिया भर में शांति

स्थापना की कोशिश में भारत की एहल

सर्वजन कल्याण महोत्सव | शहर में पहली बार हुआ इतना बड़ा धार्मिक आयोजन

आइकर - 25.12.2010

108 जोड़ों ने किया पद्मावती पूजा

को हुए श्री पार्वती पूजन ने शहर में नया अध्याय गा। एक पंडाल में 108 जोड़ों ने महापूजन में भाग लिया।

संवाददाता | झाबुआ

5, अर्द्धपूजन, शिव, श्री पार्वती पूजन के दृश्य को किसी के मुंह से नहीं निकले। पूजन में कुल 108 जोड़ों ने भाग लिया, लेकिन महापूजन के अंतिम चरणों की रही। सुबह साढ़े शुरू हुआ शहर का पहला धार्मिक पूरे 6 घंटे चला। पूजा साढ़े 4 बजे हुई।

कल्याण महोत्सव के वसंतविजयजी के महोत्सव के पूर्व कल्याण से शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से काजा पैलेस गार्डन में सभा में तब्दील हो गई। वसंतविजयजी ने आत्मरक्षा मंत्र से श्री मावती पूजन की की। इसके तहत त्रिवेनाथ, पद्मावती



1 श्री पार्वती पद्मावती महापूजन के पूर्व कर्ण जिन्वर से शोभायात्रा निकली।

2 महापूजन में 108 जोड़े शामिल हुए।

3 राद्वीत डॉ. वसंतविजयजी पूजन करते हुए।

देवी व धरमेश्वर देव आदि का बर्णन किया। श्री शंखेश्वर तीर्थ, नाकोड़ा तीर्थ, जीरावला तीर्थ कलीकुंड तीर्थ, नागेश्वर तीर्थ, बनारस तीर्थ, सम्मेलनशिवर तीर्थ व कृष्णगिरि तीर्थ के पार्वतीपूजा की अष्टप्रकार पूजन कराई गई। पूजन में बैठने वाले सभी श्रद्धालु-श्रद्धालिकाओं ने लाल वस्त्र में आराधना की। प्रत्येक पूजनाथों को एक-एक विशिष्ट पार्वती पद्मावती यंत्र दिया गया, जिसे डॉ. वसंतविजयजी ने मंत्रों द्वारा पवित्र किया। इसके पश्चात जल, चंदन, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, फल आदि 8 प्रकार की विशिष्ट महापूजन पूज्य महाराजजी के



जमीन दी, एकासने का लाभ लिया

-500 श्रद्धालुओं को एकासना कराने का लाभ जयंतीलाल कोठारी परिवार ने लिया।

-मनोरमादेवी न्यायसिंधु कोठारी परिवार ने राजपुर रोड पर 5 बीघा जमीन देने की घोषणा की।

-डॉ. वसंतविजयजी ने यह जमीन श्री संघ को सौंपी। श्री संघ यहां अस्पताल बनाएगा।

-जमीन दानदाता का श्री संघ की ओर से शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।

मुखारविंद से स्थाप्य किए मंत्रों के द्वारा कराई गई। पद्मावतीदेवी की 108 व विभिन्न मंत्रों द्वारा पूजन किया के पश्चात साढ़े 4 हुई। महापूजन के अंत में लिए शक्तिमल्ल व 10 महाअंगरी की गई।

महामांगलिक

डॉ. वसंतविजयजी के 3002 मंत्रों द्वारा महामांगलिक शक्तिकर सुब निजी गार्डन पर होगी।

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय



गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

गोपबन्धन की १००९ वर्षीय उत्तराखण्ड की १००९ वर्षीय

पार्श्व तीर्थ नगपुरा में जन्म दीक्षा कल्याण महोत्सव प्रारंभ

दुर्ग (नगपुरा), 29 दिसंबर (देशबन्धु)।
 मुख्य श्रद्धालुओं की गहरी भक्तिमय आस्था
 शिवप्रेत मंगल कल्याण आवास की तपोभूमि
 नगपुरा पार्श्व तीर्थ नगपुरा में परम तारक
 भिदेव तीर्थंकर पार्श्वनाथ प्रभु का जन्म दीक्षा
 कल्याण महोत्सव आज महामहोत्सवपूर्वक
 म हुआ। राष्ट्रसंत, नवकार मंत्रारोपक, मां
 वती के परम उपासक कृष्णागिरि
 ज्योतिषाधिपति यतिवर्य डॉ. वसंत विजय
 एज की निष्ठा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आज
 म तप प्रारंभ किया। महोत्सव के प्रवक्ता
 प जैन मित ने बताया कि तीन दिवसीय
 महोत्सव की मंगलमय शुरुआत आज प्रातः
 जे वाजिनों के साथ भक्तामर स्तोत्रादि
 राम चंदना, वासक्षेपपूजन के साथ हुई।
 तप, सतजल, गंगा, यमुना, शिवनाथ आदि
 की 108 पवित्र नदियों का जल परमात्मा
 अभिषेक हेतु शोभायात्रा के रूप में लाया
 । श्रीमति सरोज प्रकाश चंद्र देशलहरा ने
 नाथ नदी से विधिवत जल ग्रहण किया।



शिवनाथ नदी में स्नानपूजा का लाभ प्रकाश
 चंद्र पोयुषकुमार देशलहरा परिवार ने लिया।
 गांधी प्रज्ञापीठ रसमड़ा के भगवती साहू के
 नेतृत्व में हरे राम हरे कृष्ण राकत नाचा पार्टी
 रसमड़ा, श्रद्धा महिला मानस मंडली गनियारी,

जय शितला सेवा फाग एवं रामायण समिति
 रसमड़ा, शिव संगम मानस मंडली पीपरछेड़ी,
 जय मां शीतला बालक एवं बालिका मंडली
 सिलोदा, जय अंबे बालिका सेवा मंडली
 रसमड़ा वर्धमान गुरुकुल नगपुरा के विद्यार्थियों

ने उत्साह, उमंग व आस्था के साथ कलश
 यात्रा पीपरछेड़ी से प्रारंभ किया।

प्रातः 10.30 बजे पार्श्व तीर्थ के उपाध्य
 हाल में राष्ट्रसंत वसंत विजय श्री का व्याख्यान
 माला प्रारंभ हुई। सभा में उपस्थित सैकड़ों

जनों को संबोधित करने राष्ट्र संत ने का
 जन्म लेना महत्वपूर्ण नहीं है। जन्म को स
 कैसे किया ये महत्वपूर्ण है। पद्मावती
 के परम उपासक राष्ट्र संत ने बताया कि
 कभी दर्शन नहीं देती बल्कि मां अपने
 के दर्शन करती है। कृष्णागिरिधाम में
 पद्मावती की भव्य प्रतिमा के स्वरूप से
 सभा को परिचित कराया। चलो देख आये
 घर लख हुआ, भजन के माध्यम से रा
 ने सभा को भावविभोर कर दिया।

स्वामीवात्सल्य पश्चात दोपहर 2
 माणिभद्रवीर महापूजन का शानदार
 उपस्थित हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने सो
 भाग लिया। शाम 7 बजे पुन भक्ति, 8
 पश्चात राति 8 बजे पुनः मुनिश्री का प्र
 प्रारंभ हुआ। मुनिश्री को रहस्यभेदक प्र
 को श्रवण करने दूर दूर से लोग नगपुर
 रहे हैं। मंत्रों का जाप तो सभी करते हैं
 कोई भी मंत्र किसी के लिये लाभकारी
 नहीं साबित हो रहा → शेष पृष्ठ 15

देशबन्धु — 30-12-2010

हैं कला नृत्य के माध्यम से इस उत्सव में गहन
 भावनें व्यक्त की जायेंगी। पंजाब की विभिन्न भाषाओं में
 या सैकड़ों जनों को परिचित किया रहे हैं।

राष्ट्रसंत जैन ने बताया कि कुल 30 दिसंबर को
 प्रभु का जन्म दिवस है। जिस जन्म कल्याणक
 मंगल श्रद्धा दे जैन पारंपरिक इस महत्वपूर्ण दिवस
 सुमन से ही विभिन्न आयोजन किये गये हैं। प्रातः
 नौ बजे का-108 वासक्षेप पूजन, प्रातः 8 बजे ज
 धरमोदा, प्रातः 9 बजे गुरुसंन्यास पूजा महोत्सव
 से भीत स्वरा, प्रातः 11 बजे 14 स्वप्न अवतरण
 12 बजे उर्वरापुत्र महापूजन (स्नान) आयोजित
 राति 11 बजे कुमारायल महापूजा के साथ अंतिम
 आयोजन होगा।

जो श्रद्धालु नगपुरा के तीर्थस्थल मंडल गैनेवि
 रावलमल जैन मणि महालय संयोजक यशोधर जैन,
 महावीर गनियारी ने सभी श्रद्धालुओं को सिद्धिबल
 का भरण लाभ जैन अभिषिक्त किया है।

कल्याणक
महोत्सव

भगवान पार्श्वनाथ का 108 नदियों के जल से अभिषेक
227 जोड़ों ने उवसग्गहार पार्श्वनाथ के महापूजन में लिया हिस्सा

जयकारों से गूंजा तीर्थ

उवसग्गहार पार्श्व तीर्थ
नगपुरा में आयोजित
जलवीक्ष कल्याणक
महोत्सव में राष्ट्र संत डॉ.
खसंत विजय महाराज के
मंत्रोच्चार के साथ पार्श्वनाथ
भगवान का 108 नदियों के
जल से अभिषेक किया गया।
श्रद्धाधारी जो नगलगमेदी
जयकारे लगे।

सिटी रिपोर्टर @ दुर्ग

महोत्सव के दूसरे दिन ब्रह्ममुहूर्त पर
आध्यात्मिक कार्यक्रम शुरू हुआ।
उवसग्गहार पार्श्व तीर्थ नगपुरा पहुंचे
ब्रह्मगिरि सक्तिसेठ के यतिवर्ग
डॉ. बसंत विजय के सानिध्य में
श्रद्धाधारी ने प्रभु को विधि-विधान
से पूजा की। सुबह 6 बजे तीर्थपति
पार्श्वनाथ का जलभिषेक व पूजन
किया गया। देश की अलग-अलग
108 पवित्र नदियों से लाए गए जल
से अभिषेक किया गया। राष्ट्रसेठ के
मंत्रोच्चार के बाद दुर्ग के अखंड
सुगन्ध ने वासशेष पूजा की। तीर्थ के
मेरुवर्त की विराग लखड़ी में
लुधियाना के दुगाड़ गैलाकाल जैन
ने परिवार के साथ भगवान महोत्सव
पूजा-अर्चना की। प्रातः 8 बजे तक
चले अभिषेक पूजा के बाद भगवान
पार्श्वनाथ के दर्शन करने बहलौ की
कतारें लगी रही। रुक-रुककर तीर्थ
में पार्श्वनाथ प्रभु के गानभेदी
जयकारों से संपूर्ण कतारगण



1. श्रद्धालु पार्श्वनाथ का जलभिषेक। 2. महापूजन में शामिल श्रद्धालु वंजरी। 3. पंचम को रंग डाल करल दिवस।

आध्यात्मिक हो गया। महोत्सव में
श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के
साथ ही राष्ट्रसेठ डॉ. बसंत विजय
के मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना
करने से स्वयं की धन्य महसूस कर
रहे थे। अभिषेक के समय मेरुवर्त
के आसपास श्रद्धाधारी की बैठने
की व्यवस्था की गई थी।
इस स्थल से हजारों की संख्या
में श्रद्धालु पहुंचे श्रद्धालुओं ने
भगवान के अभिषेक का प्रत्यक्ष
दर्शन किया। अभिषेक पूजन में
लुधियाना के धर्मवीर बदरबाला
नवलखा जैन, लौदिया के दीपक

सुजगन मेरुका ने मुद्राट पूजा व
छिवाड़ा के नरेश बैराग ने पार्श्वनाथ
की अर्पित उतारी।

पार्श्वतीर्थ में महापूजन

पार्श्वनाथ प्रभु के जन्मदिना
कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन
227 जोड़ों ने उवसग्गहार पार्श्वनाथ
का महापूजन किया। ब्रह्मगिरि
सक्तिसेठायोपनि यतिवर्ग डॉ. बसंत
विजय ने जोड़ों का महापूजन करा।
इस अवसर पर जोड़े लाल वेशभूषा
धारण किए हुए थे। महापूजन विराग
मंडप में हुआ।

राउत नावा में खूब खूने प्रसन्न

पार्श्वनाथ के अभिषेक अवसर पर
शिवनाथ नदी के किनारे राउत पर
बसे दो दर्शन से भी अधिक गंगों
के नदीक तीर्थकारी नगपुरा
पहुंचे। इस अवसर पर पार्श्वनाथ
वेशभूषा में प्राचीन ने पंजी नृत्य,
राउत नृत्य व भजन प्रस्तुत का
तारंक्रम में सभी लोग प्रिया।
राउत नृत्य व भजन से देश के
कोने-कोने से आए श्रद्धालु
मंत्रमुग्ध हो गए।

12500 पुष्पों से अभिषेक

जल अभिषेक के बाद हुए भगवान पार्श्वनाथ के पुष्प अभिषेक से
श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। सुबह 10 बजे से शुरू हुए पुष्प अभिषेक
में 12500 पुष्पों से भक्ति सेवना की गई। श्रद्धालुओं के साथ ही
श्रद्धालु एक-एक पुष्प की श्रद्धा से भगवान को अभिषेक करते रहे।
आज 108 वासशेष पूजन - महोत्सव के तीसरे व अंतिम दिन
सुबह 6 बजे तीर्थपति पार्श्वनाथ 108 वासशेष पूजन धर्मियों के

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा बकेला

रायपुर, कबीरगंज जिले में स्थित
बकेला जैन तीर्थ क्षेत्र का पर्यटन
स्थल के रूप में विकसित किया
जाएगा। साथ ही पर्यटन के जैन मंदिर
में रखी भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति
को बकेला में स्थापित किया जाएगा।

राज्यी से जयसंगर-
बकेला जैन अभयारण्य को सुगम
भ्रमण के लिए दो किमी पक्की
मार्ग बनाने की भी घोषणा की।
इस मौके पर श्री कौशिक ने कहा
कि छत्तीसगढ़ को भरा विकसित

Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur attended the event.



Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur with

Mr. Bhagwan Kishori Mewar of Udaipur and

Mr. Lakshya Singh Rathore of Kirti at Rajasthan Polo Club Grounds, Jaipur

- On the 25th January, Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur hosted cocktails for a US Delegation visiting Udaipur. Delegates included Mr. and Mrs. James Landis Martin, Mr. and Mrs. John Kenneth Boyer, Mr. and Mrs. Edward Chappell Huthcheson Jr. and Mr. and Mrs. Donald Lee Stevens, Mr. Rakesh Asthana and Mr. Richard Hanlon were also present.

- On the 26th January, Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur received blessings from Param Pujya Dr. Shri Shri Shri Vasinth Gurudev ji whom he met at Shambhu Niwas Palace, Udaipur. Gurudev ji visited Crystal Gallery before being welcomed by Mr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur at Jagmandir Isind Palace, Udaipur.



Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur and

Mr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur with Dr. Shri Shri Shri Vasinth Gurudev ji

- On the 28th January, Shriji Arvind Singh Mewar of Udaipur accepted an invitation from His Excellency Sir Richard Stagg,

Mewar of Udaipur

Vaid Society's Cricket Competition

Mr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur was Chief Guest for the Award Distribution Ceremony as the Mewar Royal cricket team won the 9th Vaid Society's cricket competition for the second time on the 5th January. Mr. Bhanwarlal Vaid presided over the event.



Mr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur presiding at trophy distribution

Polio Free International Rally

Rotary Club Mera organized a Polio Free International Rally on the second day of the Rotary Youth Leadership Awards on the 9th January for some 100 participants from across the globe. The rally was flagged off by Mr. Lakshyaraj Singh Mewar of Udaipur from Hotel Anand Bhawan. "Polio Free World" was one of the slogans recited as the rally moved through the city. Club President, Dr. Jyoti Chowdhary, District Governor, Dr. J P Vyas, Assistant Governor, Dr. Anil Kohari joined other distinguished participants on the rally.



सर्वजन कल्याण महोत्सव | केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे प्रवचन सुनने

मंत्र के साथ बताया क्रिया का महत्व

भास्कर संवाददाता | झाबुआ

इन कल्याण महोत्सव के दूसरे रा्ट्रसंत डॉ. वसंतविजयजी ने चार के दोष निवारण के साथ का महत्व बताया। नमाला में केंद्रीय मंत्री लाल भूरिया व एसपी आरपी भी भक्तों की पंक्ति में शामिल

ह्वालुओं को संबोधित करते रा्ट्रसंत ने कहा मानव अपने में तीन क्रियाएं करता है। एक, दैहिक व सामाजिक। से एक भी क्रिया सफल नहीं व्यक्ति कभी सफल नहीं हो । आत्म क्रिया तीन प्रकार की है और साधना दो प्रकार की। अंतरंग साधना व दूसरी साधना।

जिसने बहिरंग साधना को या वह अंतरंग साधना को प्राप्त ता है। उन्होंने कहा राम से राम के नाम के नाम में शक्ति वजह से राम नाम के पत्थर में तैरने लगे व सेतु बन पाया। मानजी जैसी भक्ति आज तक



धर्मसभा में ब्रह्मलुओं के बीच केंद्रीय मंत्री कार्लिल ल भूरिया भी शामिल हुए। इनसेट- वसंतविजयजी।

किसी ने नहीं की और न ही भविष्य में कोई कर पाएगा।

नवकार मंत्र है स्तुति नहीं

नवकार मंत्र के राग बदलने से लगने वाले दोष के बारे में भी

संतश्री ने बताया। उन्होंने कहा यह मंत्र है, स्तुति नहीं। स्तुति को ही राग में बोलना चाहिए, मंत्र को नहीं। साधना हमेशा एकांत में करें और धर्म की गुप्तता रखें। प्रतिक्रमण पापों के प्रायश्चित करने के लिए होता है। माला

गिनकर औरो को बताने से उसका फल समोस हो जाता है। जहां पर वास्तु शुद्ध नहीं होता वहां पर देवता नहीं आते हैं और मन हमेशा अशांत ही रहता है। सही दिशा ही व्यक्ति को जीवन में सफल बनाने में सहयोगी होती है।

धर्मसभा के दौरान केंद्रीय मंत्री भूरिया ने कहा संतश्री ने झाबुआ जिले पर कृपा बरसाकर उपकृत किया है। इस मौके पर डॉ. वसंतविजयजी ने केंद्रीय मंत्री को जिले की शैक्षणिक व्यवस्था में सहयोग देने व विद्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने की बात कही, जिससे झाबुआ के बच्चे झाबुआ में रहकर ही उच्च अध्ययन कर सकें।

जाप के दो दोष

रा्ट्रसंत ने कहा जाप में दो दोष होते हैं- दूरित दोष व विलंब दोष। मंत्र के शब्दों में दूरी बढ़ाने से दूरित दोष होता है। उच्चारण में शब्दों के विलंब से विलंब दोष होता है, इसलिए जाप का प्रभाव नहीं दिखता। पूर्व दिशा में मुंह कर जाप करने से रोग संताप दूर होते हैं। पश्चिम दिशा में मुंह करके जाप करने से मन को शांति मिलती है और वैमनस्य दूर होता है। दक्षिण दिशा में मुंह कर जाप करने से आकर्षण बढ़ता है। उत्तर दिशा में मुंह कर जाप करने से व्यक्ति के

जीवन में सभी प्रकार की वृद्धि होती है। यदि वह दुःखी दुःखों में वृद्धि होती है और है तो रोगों में वृद्धि हो जा इशान कोण में सिर्फ मारण होती है।

जप के तीन प्रकार

संतश्री ने जप के तीन प्रकार मानस जप, उपांशु जप व जप। मानस जप मन के चलते हैं। उपांशु जप में व्या होठ हिलते हैं, लेकिन उ नहीं आती। भाष्य जप में आ होठ और जाप करने वाल हिलने लग जाता है। उन्होंने जप को सर्वोपरि बताते हुए इसी जप से साधकों को पूर्ण मिलता है।

रंगपुरा व देवझिरी भी गए रा धर्मसभा के पश्चात रा्ट्रसंत वसंतविजयजी समाजजनों के रंगपुरा स्थित प्राचीन जैन पहुंचे, वहाँ अति प्राचीन तीर्थ देवझिरी जाकर शिव मंदिर के किए। गौड़ी पार्श्वनाथ मंि दर्शन वंदन भी किए।

श्व विख्यात प्रवचनकार राष्ट्र संत प.पू. डा. वसंतविजयजी सा. का ऐतिहासिक भव्य नगर प्रवेश आज राष्ट्रीय जनजातीय मंत्री मानश्री कांतिलाल भूरिया राष्ट्र संत की करेंगे अगवा

वुआ (निप्र)। विश्व विख्यात राष्ट्र संत प.पू. डा. वसंतविजयजी सा. आज प्रातः ९.०० बजे स्थानीय बाग जैन मंदिर परिसर दिलीप ऐतिहासिक विशाल शोभायात्रा के नगर प्रवेश होगा। सर्वजन महोत्सव समिति के अध्यक्ष निर्मल जानकारी देते हुए बताया कि नगर प्रवेश में झाबुआ जिले के जनजातीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, विधायक जैवियर मेड़ा, शंभूदास पर्वेश्वर भारगी, झाबुआ क्षेत्राधिकार राजेंद्र मेहता, सर्वजन महोत्सव के संरक्षक मनोहरलाल क्षेत्राधिकार समाज के सचिव यशवंत वर्धमान स्थानकवासी जैन समाज अध्यक्ष प्रदीप रून्वाल, तैरापंथ अध्यक्ष मंगनलाल गादिया, जैन समाज के अध्यक्ष डा. संतोष नवयुवक परिषद अध्यक्ष नवीन

रून्वाल, महिला परिषद अध्यक्ष प्रमिला मेहता, तरुण परिषद अध्यक्ष पुष्पक संघवी, परिषद राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती आशा कटारिया, महिला मंडल अध्यक्ष उषा बाठिया, वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट वरदीचंद अग्रवाल, एस.आर. एस. फेरो अलाय के प्रमुख ब्रजेंद्र शर्मा (चुनू शर्मा) जिला कलेक्टर शोभित जैन पुलिस कप्तान राजेश्वरप्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य राष्ट्रसंत प.पू. डा. वसंतविजयजी म.सा. की अगवानी करेंगे। सर्वजन कल्याण महोत्सव के संयोजक यशवंत भंडारी ने बताया कि इस ऐतिहासिक महोत्सव एवं विशाल शोभायात्रा में झाबुआ के सभी समाजों का अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है एवं इस शोभायात्रा में अखिल भारतीय राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद, अखिल भारतीय राजेंद्र जैन महिला परिषद, अखिल भारतीय राजेंद्र जैन तरुण परिषद, जैन सोशल ग्रुप हेमेंद्रसूरी मित्रमंडल, हेमेंद्रसूरी महिला मंडल, हेमेंद्रसूरी वालक

मंडल, महावीर नवयुवक स्थानक मंडल, महावीर महिला स्थानक मंडल के साथ क्षेत्राधिकार जैन समाज, स्थानकवासी जैन समाज दिगम्बर समाज तैरापंथ महासमाज अपनी महत्वपूर्ण भूमिकाएं अदा कर रहा है। सर्वजन कल्याण महोत्सव के सचिव संतोष जैन एवं महोत्सव समिति के संगठन मंत्री मनोज मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले के इतिहास में पहली बार इतना बड़ा विशाल पैमाने पर ग्रुप संकल्प ग्रुप, रोटरी क्लब, साज रंग, शिवगंगा परिवार, माहेश्वरी समाज, स्वर्णकार समाज, दशानीमा समाज, भावसार समाज, सर्वब्राह्मण समाज, नागर समाज, दर्जीसमाज, माली समाज, श्रीराम सेवा समिति मुस्लिम समाज, चोहरा समाज, राजपूत समाज, सनातन सत्संग समिति, रामशरण समिति सहित नगर की कई सेवा संस्थाएं जुड़कर इस महोत्सव के विशाल कार्यक्रम में अपनी भागीदारी कर रही हैं। राष्ट्र संत

के झाबुआ आगमन पर पूरे झाबुआ नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। चारों ओर स्वागत द्वार एवं होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टरों से नगर पट गया है। इस विशाल कार्यक्रम को लेकर नगरवासियों में अपार उत्साह देखा जा रहा है। बिना किसी जाति धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर झाबुआ जिले में पहली बार ऐसा ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जो झाबुआ जिले के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित किया जाएगा। विशाल शोभायात्रा स्थानीय महावीर बाग जैन मंदिर में प्रातः नौ बजे प्रारंभ होगी, जिसमें विभिन्न धार्मिक संस्थाओं, महिलाएं अपनी परम्परागत वेशभूषा में सिर पर कलश उठाकर राष्ट्र संत की अगवानी करते हुए शोभायात्रा में अंगे रहेगी। ऐतिहासिक शोभायात्रा में झाबुआ जिले के ढोल, मादल, बैण्ड एवं ताशा पार्टी चलेगी। शोभायात्रा बस स्टैंड से होती हुई बावेल चौराहा तक पहुंचकर सीधे स्थानीय ऋषभदेव बावन जिनालय मंदिर पर दर्शन

कर लक्ष्मीबाई मार्ग होते हुए रापैलेस गार्डन पर धर्मसभा में पाजाएगी। धर्मसभा में राष्ट्रसंत वसंतविजयजी म.सा. अपनी महामंगलिक के साथ अपनी प्रवचन प्रारंभ करेंगे। सर्वजन कल्याण महोत्सव २१ दिसम्बर से प्रारंभ होगा, जिस प्रातः ९.३० बजे से रात्रि ७ बजे तक प्रवचन पूज्यश्री के होंगे। साथ दिसम्बर शुक्रवार के दिन दोपहर बजे झाबुआ जिले के इतिहास में महामंगलकारी महाप्रभावी अ उपाधि निवारक १०८ जोड़ों पार्श्वपदमावती महापूजन राष्ट्रसंत डा. वसंत विजयजी म.सा. के मु से सम्पन्न कराई जाएगी। २५ शनिवार दोपहर २ बजे विशाल एवं ग्रामवासीजनों का सम वनवासी क्षेत्र में धर्मप्रचार कर का पूज्यश्री की निश्रा में अभिन जाएगा।

गुरुवार का संस्कारधानी में हार्विक अभिनवन-बधाई...

नूतन वर्ष के महामांगलिक पर हार्दिक

आमंत्रण

विश्वविख्यात कृष्णगिरी पार्श्वपद्मावती,
शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर आस्था चैनल के
प्रसिद्ध प्रवचनकार, जन-जन के
आस्था केन्द्र अखण्ड साधक, प्रचण्ड महायोगी
श्रीमद् आचार्य भगवंत
श्री प्रेमसूरीश्वर जी महाराजा के शिष्यरत्न

राष्ट्रसंत

डॉ. श्री वसंत विजय जी म.सा.

के पावन मुखारविन्द से
धर्मनगरी रायपुर में प्रथम बार

**हजारों बीजमंत्र युक्त,
सर्वशक्तिदायक,
रोग शोक नाशक**

महामांगलिक का अद्भुत आयोजन

रविवार, दिनांक २ जनवरी २०११

समय : १२ बजे, जैन दादाबाड़ी, एम. जी. रोड, रायपुर

महामांगलिक में पचासकर मंत्रों की शक्ति के अद्भुत प्रभाव का स्वयं अनुभव करें।
साथ ही गणेश की रामलाल एण्ड पार्टी भक्ति की धूम मचाएंगे।

विनीत : समस्त गुरु भक्तगण